Daily Current Affairs

Date : 10 October, 2025

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान का पहला कछुआ संरक्षण केंद्र : धौलपुर
2.	राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (RALSA)
3.	राजस्थान भू-जल (संरक्षण और प्रबंध) प्राधिकरण अधिनियम, 2024
4.	आइस्टार्ट आइडियाथॉन – 2025
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. राजस्थान में पहली बार 'आर्मी डे परेड' 2. भारत-स्पेन आर्किटेक्चर एग्रीमेंट 3. राष्ट्र स्तरीय पर्यावरण जागरूकता एवं ट्रेकिंग शिविर 4. देश का पहला मॉडिफाइड BTPN रेक तैयार 5. शेखावाटी यूनिवर्सिटी को सेना ने गिफ्ट किया T-55 टैंक 6. डॉ. रुमा देवी 7. टिकड़ी रोग : अनार 8. ISSF विश्व शॉटगन चैंपियनशिप 2025 9. राजीविका और सेंटर फॉर कैटेलाइजिंग चेंज (C3) के मध्य MoU 10. शत-प्रतिशत डिजिटल टिकट : रणथंभौर टाइगर रिज़र्व 11. इंडियन ऑर्गन ट्रांसप्लांट सोसायटी का 35वाँ वार्षिक सम्मेलन
6.	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर रोडमैप: नीति आयोग
7.	प्लूटोनियम प्रबंधन और निपटान समझौता
8.	भारतीय शांति सैनिक सम्मानित
9.	यूनेस्को के डायरेक्टर जनरल : डॉ खालिद एल-एनानी
10.	ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा
11.	एग्रीएनिक्स प्रोग्राम
12.	इलेक्ट्रॉनिक बैंक गारंटी (e-BGs)
13.	ग्लोबल इलेक्ट्रिसिटी मिड-ईयर इनसाइट्स 2025
14.	रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार 2025
15.	साहित्य का नोबेल पुरस्कार, 2025

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

राजस्थान का पहला कछुआ संरक्षण केंद्र : धौलपुर

चर्चा में क्यों?

- धौलपुर जिले में चंबल नदी के किनारे 'राजस्थान का पहला कछुआ संरक्षण केंद्र' स्थापित किया जाएगा।

मुख्य बिन्दु:

- हाल ही में 'वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (WWF)' द्वारा राजस्थान चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन ऑफिस को इस संदर्भ में एक प्रस्ताव प्रेषित किया गया।
- इससे पूर्व राजस्थान वन विभाग एवं TSA फाउंडेशन इंडिया के संयुक्त संरक्षण प्रयासों के तहत धौलपुर राष्ट्रीय चम्बल घडियाल अभयारण्य में संकटग्रस्त 'बाटागुर कछुआ' प्रजातियों के अंडों को हैचिंग द्वारा सफलतापूर्वक चंबल नदी में छोड़ा गया था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- वर्तमान में चंबल नदी में बाटागुर कछुआ, बाटागुर डोंगोका, कछुआ टेंटोरिया, हारडेला थुरगी, चित्रा इंडिका, निलसोनिया, लेसिमस पंटाटा, लेसिमस ऐंडरसनी आदि प्रजातियाँ पाई जाती हैं। इनमें से बाटागुर कछुआ, टेंटोरिया और निलसोनिया प्रजाति के कछुए विलुप्त हो रहे हैं।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (WWF)

- पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति पर मानवीय प्रभाव को कम करने के लिए कार्यरत एक अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन।
- **स्थापना :** वर्ष 1961 में।
- **मुख्यालय :** ग्लैंड, स्विट्ज़रलैंड।

उद्देश्य :

- पर्यावरणीय क्षरण को रोकना और एक ऐसे स्थायी भविष्य को बढ़ावा देना जहाँ मनुष्य प्रकृति के साथ सामंजस्य में रह सकें।
- यह संगठन 100 से अधिक देशों में 3,000 से अधिक संरक्षण परियोजनाओं को समर्थन प्रदान कर रहा है।
- **रिपोर्ट :** लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट।
- **आयोजन :** 'अर्थ आवर' और 'डेट-फॉर-नेचर स्वैप'।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (RALSA)

चर्चा में क्यों?

- 'राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण' द्वारा 01 जुलाई से 30 सितम्बर, 2025 तक न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निस्तारण हेतु 90 दिवसीय 'मेडिएशन फॉर द नेशन' (मध्यस्थता अभियान) संचालित किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **निर्देशन :** राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) तथा मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति (MCPC) द्वारा।
- इस अभियान के अन्तर्गत उच्च न्यायालय एवं जिला एवं तालुका स्थित न्यायालयों में वर्षों से लंबित प्रकरणों को मध्यस्थता के माध्यम से निस्तारित किया गया।
- इस अभियान के तहत प्रदेश में उच्च न्यायालय, जिला न्यायालयों एवं तालुका स्थित न्यायालयों से विभिन्न प्रकृति के 1,52,436 प्रकरण मध्यस्थता केन्द्रों में रैफर किए गए। जिसके अन्तर्गत 20,724 लम्बित प्रकरणों का निस्तारण पक्षकारान द्वारा आपसी सहमति से मध्यस्थता के माध्यम से किया गया।
- **भारतीय संविधान का अनुच्छेद 39A :** समाज के गरीब और कमजोर वर्गों को समान अवसर के आधार पर न्याय को बढ़ावा देने हेतु निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान करने का प्रावधान।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- राजस्थान राज्य सरकार द्वारा 07 जुलाई, 1998 को जारी अधिसूचना के माध्यम से राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (RALSA) का गठन किया गया।
- संसद द्वारा विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 पारित किया गया, जिसे 9 नवम्बर, 1995 से लागू किया गया।
- इस अधिनियम के लागू होने के साथ ही राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर विधिक सेवा प्राधिकरणों की स्थापना की गई, साथ ही सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय एवं तालुका स्तर पर विधिक सेवा समितियाँ भी गठित की गईं।
- **राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष :** न्यायमूर्ति संजीव प्रकाश शर्मा।
- **राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष :** न्यायमूर्ति सूर्यकान्त।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान भू-जल (संरक्षण और प्रबंध) प्राधिकरण अधिनियम, 2024

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राज्यपाल द्वारा 'राजस्थान भू-जल (संरक्षण और प्रबंध) प्राधिकरण विधेयक, 2024' को स्वीकृति प्रदान की गई।

मुख्य बिन्दु:

- 10 सितम्बर, 2025 को 'राजस्थान भू-जल (संरक्षण और प्रबंध) प्राधिकरण विधेयक, 2024' विधानसभा में ध्वनिमत से पारित हुआ।
- विधेयक के अनुसार बिना अनुमति के नई भू-जल निकासी संरचना के निर्माण, प्राधिकरण की शर्तों के उल्लंघन, भू-जल की गुणवत्ता को विदोहित, बिना अनुमति निकासी के लिए ड्रिल करने, जल अवसंरचनाओं को क्षति पहुंचाने जैसे कृत्यों के लिए प्राधिकरण कार्यवाही कर सकेगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- हालांकि, लोक हित यानी कृषि व घरेलू पानी के लिए ट्यूबवेल खोदने व पानी निकालने के लिए लाइसेंस व अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की आवश्यकता नहीं रहेगी।
- विधेयक के अनुसार, कोई भी निकाय या व्यक्ति अप्राधिकृत कार्यों के उल्लंघन का दोषी पाया जाता है तो प्राधिकरण शास्ति (जुर्माना) लगा सकेगा।
- **प्रथम अपराध :** ₹50,000 तक का जुर्माना।
- इसके बाद पुनः दोषसिद्धि पर 6 माह तक का कारावास या ₹1,00,000 तक का जुर्माना या दोनों कार्रवाई की जाएगी।
- **नोट :** भारत में भूजल ग्रामीण जलापूर्ति का 85 प्रतिशत और शहरी जलापूर्ति का 50 प्रतिशत स्रोत है। यह सिंचाई के लिए उपयोग किए जाने वाले 62 प्रतिशत पानी की भी आपूर्ति करता है।

प्राधिकरण की संरचना :

- अधिनियम के तहत राजस्थान भूजल (संरक्षण एवं प्रबंधन) प्राधिकरण की स्थापना की जाएगी।
- **अध्यक्षता :** राज्य सरकार के सचिव या मुख्य भूजल अभियंता के पद पर रह चुके व्यक्ति द्वारा।
- **सदस्य :** (i) विधानसभा के दो सदस्य, (ii) भूजल, वित्त, कृषि, प्रदूषण नियंत्रण, वन, जन स्वास्थ्य और उद्योग जैसे विभागों के प्रतिनिधि, और (iii) दो विषय विशेषज्ञ।
- प्रत्येक जिले में एक जिला भूजल एवं प्रबंधन समिति भी होगी, जो जिला भूजल संरक्षण एवं प्रबंधन योजनाएं तैयार करेगी।
- भूजल प्राधिकरण, राज्य भूजल विभाग द्वारा तैयार राज्य भूजल संरक्षण और प्रबंधन योजना की समीक्षा करेगा। यह राज्य सरकार को जल स्तर की गुणवत्ता और मात्रा के आधार पर राज्य को ज़ोन्स में वर्गीकृत करने का भी सुझाव देगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आइस्टार्ट आइडियाथॉन – 2025

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग द्वारा राज्य के विभिन्न जिलों में 'आईस्टार्ट आइडियाथॉन-2025' का आयोजन किया जा रहा है।

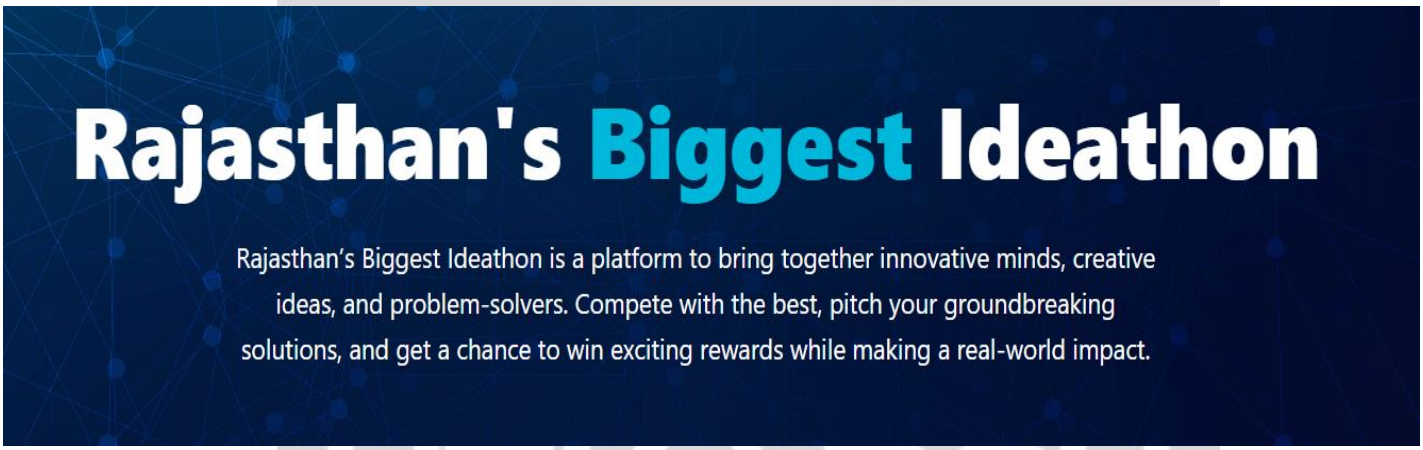

मुख्य बिन्दु:

स्थान	आयोजन
जोधपुर	09 अक्टूबर, 2025
पाली	13 अक्टूबर, 2025
उदयपुर	28 अक्टूबर, 2025
चूरू	03 नवम्बर, 2025
बीकानेर	07 नवम्बर, 2025
कोटा	11 नवम्बर, 2025
भरतपुर	18 नवम्बर, 2025
जयपुर	24 नवम्बर, 2025

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **आयोजक :** आईस्टार्ट आइडियाथॉन 2.0, राजस्थान सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग (DoIT&C) और आइस्टार्ट राजस्थान की एक प्रमुख पहल है। यह नवोन्मेषी सोच, रचनात्मक विचारों और उत्साही समस्या-समाधानकर्ताओं को एकजुट करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।
- **उद्देश्य :** आईस्टार्ट आइडियाथॉन व्यक्तियों, स्टार्टअप्स और छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए अपने समाधान प्रदर्शित करने के अवसर प्रदान करके नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को पोषित करता है।
- **आइडियाथॉन 2025 का संचालन :** राजस्थान नॉलेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (RKCL) द्वारा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**राजस्थान में पहली बार 'आर्मी डे परेड'** ■ 15 जनवरी, 2026 को भारतीय थल सेना द्वारा जयपुर में आर्मी-डे परेड का आयोजन किया जाएगा। यह पहली बार होगा जब सेना दिवस की मुख्य परेड का आयोजन राजस्थान में किया जा रहा है। ■ जयपुर में 8 से 15 जनवरी तक सेना के आधुनिक उपकरणों का प्रदर्शन किया जाएगा। वहीं 15 जनवरी, 2026 को सवाई मानसिंह स्टेडियम में 'शौर्य संध्या कार्यक्रम' के तहत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और ड्रोन शो के माध्यम से भारतीय सेना की वीरगाथा प्रदर्शित की जाएगी।
2.	**भारत-स्पेन आर्किटेक्चर एग्रीमेंट** ■ हाल ही में, जयपुर में भारत की सिंसियर आर्किटेक्ट्स इंजीनियर्स और स्पेन की सरकारी संस्था FIRA (फिरा) बार्सिलोना इंटरनेशनल के बीच एक जॉइंट वेंचर एग्रीमेंट साइन हुआ। ■ इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच आर्किटेक्चर, अर्बन डवलपमेंट और इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में सहयोग को बढ़ाना है। ■ इस समझौते के तहत जयपुर के आर्किटेक्ट अनूप बरतरिया और FIRA बार्सिलोना देश के अलग-अलग हिस्सों में कन्वेंशन और एग्जीबिशन सेंटर के डिजाइन तैयार करेंगे।
3.	**राष्ट्र स्तरीय पर्यावरण जागरूकता एवं ट्रेकिंग शिविर** ■ हाल ही में, अलवर में 'राष्ट्र स्तरीय पर्यावरण जागरूकता एवं ट्रेकिंग शिविर' का आयोजन किया गया। ■ **आयोजक :** भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4.	**देश का पहला मॉडिफाइड BTPN रेक तैयार** ■ पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा माल डिब्बा मरम्मत कारखाने ने देश का पहला मॉडिफाइड बोगी टैंक पेट्रोल और नॅफ्था (BTPN) रेक तैयार किया है। ■ इस रेक से सुरक्षा मानकों में सुधार के साथ रिसाव और चोरी पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। BTPN रेक पेट्रोलियम उत्पादों जैसे डीजल, पेट्रोल, केरोसीन आदि के परिवहन के लिए उपयोग होता है।
5.	**शेखावाटी यूनिवर्सिटी को सेना ने गिफ्ट किया T-55 टैंक** ■ हाल ही में, भारतीय सेना ने सीकर की पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी यूनिवर्सिटी को T-55 टैंक और 2 तोपें उपहारस्वरूप दी। ■ T-55 टैंक सोवियत संघ द्वारा निर्मित एक प्रमुख युद्ध टैंक है, जिसे भारतीय सेना में 1960 के दशक में शामिल किया। ■ टी-55 टैंक ने वर्ष 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्धों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
6.	**डॉ. रुमा देवी** ■ सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. रुमा देवी को 10 से 12 अक्टूबर, 2025 के बीच अमेरिका के प्रतिष्ठित 'दिवाली एट टाइम्स स्क्वेयर' सांस्कृतिक आयोजन में सम्मानित किया जाएगा। ■ इससे पूर्व, अमेरिकी संसद और न्यूयॉर्क राज्य सरकार द्वारा महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जा चुका है।
7.	**टिकड़ी रोग : अनार** ■ हाल ही में, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बालोतरा में अनार बाहुल्य क्षेत्रों में फैले टिकड़ी रोग सहित विभिन्न रोगों की तत्काल जांच के निर्देश दिए। ■ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) की एक टीम द्वारा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

8.	**ISSF विश्व शॉटगन चैंपियनशिप 2025** 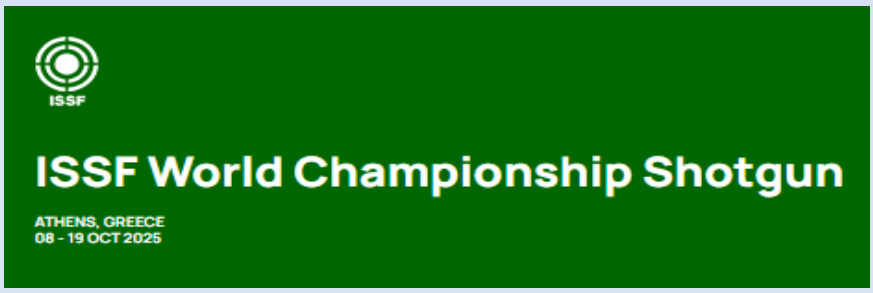 ■ ओलंपियन अनंतजीत सिंह नरुका और माहेश्वरी चौहान एथेंस (ग्रीस) में आयोजित 'ISSF विश्व शॉटगन चैंपियनशिप 2025' में 12 सदस्यीय भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। ■ **आयोजन :** 08 से 19 अक्टूबर, 2025 तक। ■ **प्रतिभागी :** 68 देशों के 406 एथलीट। ■ पुरुषों की स्कीट में, अनंतजीत सिंह नरुका माहेश्वरी चौहान और मैराज अहमद खान के साथ मिश्रित टीम स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करेंगे। ■ अनंतजीत सिंह नरुका मूलरूप से टोंक निवासी है तथा वर्तमान में जयपुर में रहते हैं वहीं माहेश्वरी चौहान सियाना (जालोर) की निवासी है।
9.	**राजीविका और सेंटर फॉर कैटेलाइजिंग चेंज (C3) के मध्य MoU** ■ हाल ही में, राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) और सेंटर फॉर कैटेलाइजिंग चेंज (C3) के बीच एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। ■ इस साझेदारी का उद्देश्य राज्य में दीनदयाल अंत्योदय योजना – राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) के तहत लैंगिक एकीकरण को सशक्त करना और संस्थागत संरचना को मजबूत बनाना है। ■ C3 द्वारा राजीविका को ब्लॉक स्तर पर जेंडर रिसोर्स सेंटर के संचालन में तकनीकी और संस्थागत समर्थन प्रदान किया जाएगा। ये केंद्र जेंडर संबंधित मुद्दों पर क्षमता निर्माण, केस प्रबंधन और महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस, पंचायती राज जैसे संस्थाओं के साथ समन्वय के लिए समर्पित रूप से कार्य करेंगे।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

10.	**शत-प्रतिशत डिजिटल टिकट : रणथंभौर टाइगर रिज़र्व** ■ हाल ही में, राजस्थान सरकार द्वारा सवाई माधोपुर स्थित रणथंभौर टाइगर रिज़र्व में शत-प्रतिशत डिजिटल टिकट प्रदान करने का प्रोजेक्ट शुरू किया गया। ■ रणथंभौर टाइगर रिज़र्व के आधिकारिक बुकिंग पोर्टल या अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से क्यूआर कोड द्वारा ई-टिकट प्राप्त की जा सकती है।
11.	**इंडियन ऑर्गन ट्रांसप्लांट सोसायटी का 35वाँ वार्षिक सम्मेलन** ■ हाल ही में, इंडियन ऑर्गन ट्रांसप्लांट सोसायटी (ISOT) का 35वाँ वार्षिक सम्मेलन जयपुर में आयोजित किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर रोडमैप: नीति आयोग

चर्चा में क्यों?

- नीति आयोग ने समावेशी सामाजिक विकास के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर ऐतिहासिक रोडमैप जारी किया।

मुख्य बिन्दु:

- **उद्देश्य:** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उन्नत तकनीकों की क्षमता का उपयोग करके भारत में असंगठित क्षेत्र के 490 मिलियन श्रमिकों की आजीविका में परिवर्तन लाना है।

भारत में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की वर्तमान स्थिति:

- **सबसे अधिक रोजगार:** देश की लगभग 90% श्रमशक्ति असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं।
- **कम उत्पादकता:** इनकी औसत उत्पादकता लगभग 5 डॉलर प्रति घंटा है, जो राष्ट्रीय औसत का लगभग आधा है।
- **सामाजिक सुरक्षा कवरेज की कमी:** असंगठित क्षेत्र के केवल 48% श्रमिकों को ही सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के सामने प्रमुख चुनौतियां:

- **अस्थिर वित्तीय स्रोत:** नियमित रूप से पारिश्रमिक नहीं मिलना, पारिश्रमिक भुगतान में देरी, अनुबंधों की कमी, और समय पर कई लाभ नहीं मिलना।
- **बाजार और मांग तक पहुँच:** श्रम बाजार विभाजित होना, रोजगार करने के प्रमाण की कमी, और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर उनकी विजिबिलिटी कम होना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **कौशल और तकनीक अपनाने की कमी:** इनमें पुरानी कार्यप्रणालियां, औपचारिक प्रशिक्षण का अभाव, तथा श्रमिक डेटा की कमी शामिल हैं।
- **सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा:** इनमें कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों की कमी, स्वास्थ्य बीमा और पेंशन का लाभ नहीं तथा दुर्घटना की स्थिति में मुआवजे नहीं जैसी चुनौतियां शामिल हैं ।
- **उत्पादकता की कमी:** कारण, मैनुअल तरीके से कामकाज होना, मशीनीकरण की कमी, और डिजिटल उपकरणों का अभाव।

नीति आयोग की सिफारिशें:

- **मिशन डिजिटल श्रमसेतु:** AI के माध्यम से अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों को सशक्त बनाने के लिए एक राष्ट्रीय मिशन की शुरुआत की जानी चाहिए।
- **समावेशी AI फ्रेमवर्क:** साक्षरता और भाषा संबंधी बाधाओं को दूर करने के लिए बहुभाषी, वॉयस-फर्स्ट AI टूल विकसित करने की आवश्यकता है।
- **बहु-हितधारक सहभागिता:** राज्यों और सामुदायिक नेटवर्क के माध्यम से स्थानीय स्तर पर योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाए।
- **मौजूदा डिजिटल योजनाओं का एकीकरण:** योजनाओं को प्रभावी बनाने के लिए ई-श्रम और उद्यम जैसे प्लेटफॉर्म के साथ AI को एकीकृत किया जाना चाहिए।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

प्लूटोनियम प्रबंधन और निपटान समझौता

चर्चा में क्यों?

- रूस की संसद ने संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ प्लूटोनियम प्रबंधन और निपटान समझौता (PMDA) से हटने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

मुख्य बिन्दु:

- रूस ने 2016 में अमेरिकी प्रतिबंधों का हवाला देते हुए इस समझौते के कार्यान्वयन को निलंबित कर दिया था।

प्लूटोनियम प्रबंधन और निपटान समझौता

- इस समझौता पर वर्ष 2000 में हस्ताक्षर किए गए थे।
- यह अमेरिका और रूस, दोनों को अपने पास रखे वेपंस-ग्रेड प्लूटोनियम में से प्रत्येक को कम-से-कम 34 मीट्रिक टन इस तरह से निपटान करने के लिए बाध्य करता है कि वापस इनका उपयोग नहीं किया जा सके।
- **प्लूटोनियम:** यह एक रेडियोएक्टिव सामग्री है जिसकी परमाणु संख्या 94 है। इसका गलनांक उच्च होता है। यह प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला सबसे भारी तत्व है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारतीय शांति सैनिक सम्मानित

चर्चा में क्यों?

- सूडान और दक्षिण सूडान के बीच विवादित, तेल-समृद्ध सीमा क्षेत्र, अबेई (UNISFA) के लिए संयुक्त राष्ट्र अंतरिम सुरक्षा बल के कार्यवाहक मिशन प्रमुख द्वारा अबेई में भारतीय शांति सैनिकों को उनकी समर्पित सेवा के लिए सम्मानित किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- भारत अब तक 50 से अधिक मिशनों में 2.9 लाख सैनिक भेज चुका है। वर्तमान में भारत के 5000 सैनिक यूएन के 9 मिशनों में सेवा दे रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में भारत का योगदान:

- **सेना का योगदान :** यूनाइटेड नेशंस पीसकीपिंग ऑपरेशंस में योगदान देने की भारत की समृद्ध विरासत रही है।1950 के दशक से, भारत ने दुनिया भर में 50 से अधिक मिशनों में 2,90,000 से अधिक शांति सैनिकों को भेजा है, जिससे यह संयुक्त राष्ट्र शांति प्रयासों में सबसे बड़ा योगदानकर्ता बन गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

जनहानि :

- भारतीय सैनिकों ने संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में सेवा प्रदान करते हुए 180 भारतीय शांति सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया है।

प्रशिक्षण और बुनियादी ढाँचा :

- भारतीय सेना ने नई दिल्ली में सेंटर फॉर यूनाइटेड नेशंस पीसकीपिंग (CUNPK) की स्थापना की है।
- यह केंद्र शांति अभियानों में प्रतिवर्ष 12,000 से अधिक सैनिकों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ ही संभावित शांति रक्षकों एवं प्रशिक्षकों के लिये राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रमों की मेज़बानी करता है।

शांति स्थापना में महिलाएँ :

- भारत ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र संगठन स्थिरीकरण मिशन तथा अबेई के लिये संयुक्त राष्ट्र अंतरिम सुरक्षा बल में महिला दल को तैनात किया है, जो लाइबेरिया के बाद दूसरा सबसे बड़ा महिला सैनिकों का दल है।
- भारत ने संयुक्त राष्ट्र डिसएंगेजमेंट आब्ज़र्वर फोर्स में महिला सैन्य पुलिस और विभिन्न मिशनों में महिला अधिकारियों एवं सैन्य पर्यवेक्षकों को भी तैनात किया है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

- अबेई क्षेत्र दक्षिण सूडान और सूडान के बीच एक सीमावर्ती क्षेत्र है जिसे द्वितीय सूडानी गृहयुद्ध को समाप्त करने वाले व्यापक शांति समझौते (CPA) में अबेई संघर्ष समाधान पर 2004 के प्रोटोकॉल (अबेई प्रोटोकॉल) द्वारा "विशेष प्रशासनिक दर्जा" प्रदान किया गया है।
- भारतीय सेना 14 से 16 अक्टूबर, 2025 तक नई दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदानकर्ता देशों-UNTCC के प्रमुखों के सम्मेलन की मेजबानी करेगी। इसमें संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में 30 से अधिक प्रमुख योगदानकर्ता देशों के वरिष्ठ सैन्य प्रमुख भाग लेंगे।
- 1 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर, में एक पूर्वावलोकन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

यूनेस्को के डायरेक्टर जनरल : डॉ खालिद एल-एनानी

चर्चा में क्यों?

- मिस्र के पूर्व पर्यटन और पुरातत्व मंत्री डॉ खालिद एल-एनानी संयुक्त राष्ट्र की शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के पहले अरब डायरेक्टर जनरल बनेंगे।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- नवंबर, 2025 में होने वाले अंतिम मतदान के बाद खालिद, फ्रांस की ऑड्रे अजूले का स्थान लेंगे।
- खालिद एल-अनानी यूनेस्को के पहले अरब और मिस्र से पहले निदेशक-जनरल होंगे।
- इन्होनें कई मेगा पर्यटन परियोजनाओं की शुरुआत की, जैसे काहिरा में नेशनल म्यूज़ियम ऑफ इजिप्शियन सिविलाइज़ेशन और यहूदी मंदिर का जीर्णोद्धार।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) :

- यूनेस्को संयुक्त राष्ट्र सतत् विकास समूह (United Nations Sustainable Development Group- UNSDG) का सदस्य है।

इतिहास

- वर्ष 1942 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान धुरी राष्ट्रों का सामना कर रहे यूरोपीय देशों ने यूनाइटेड किंगडम में 'कॉन्फ्रेंस ऑफ़ अलाइड मिनिस्टर्स ऑफ एजुकेशन' (CAME) का आयोजन किया था।
- केम (CAME) के प्रस्ताव के आधार पर एक 'शैक्षिक और सांस्कृतिक संगठन' की स्थापना के लिये नवंबर, 1945 में लंदन में संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन आयोजित किया गया तथा 16 नवंबर, 1945 को यूनेस्को की स्थापना की गई थी।
- यूनेस्को के जनरल कॉन्फ्रेंस का प्रथम सत्र वर्ष 1946 में नवंबर-दिसंबर के दौरान पेरिस में आयोजित किया गया था।
- यूनेस्को में शामिल पहला विश्व धरोहर स्थल इक्वाडोर का गालापेगोस द्वीप था।
- भारत वर्ष 1946 में यूनेस्को का सदस्य देश बना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

उद्देश्य:

1. सभी के लिये गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु प्रेरित करना।
2. सतत् विकास के लिये नीति एवं विज्ञान संबंधी ज्ञान का उपयोग करना।
3. उभरती सामाजिक और नैतिक चुनौतियों को संबोधित करना।
4. सांस्कृतिक विविधता,परस्पर संवाद एवं शांति की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करना।
5. संचार एवं सूचना के माध्यम से समावेशी ज्ञान से युक्त समाज का निर्माण करना।
6. विश्व के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों जैसे 'अफ्रीका' एवं 'लैंगिक समानता' पर ध्यान केंद्रित करना।

यूनेस्को की प्रमुख रिपोर्ट :

1. मैकब्राइड रिपोर्ट 1980 या "मेनी वॉयसेस, वन वर्ल्ड" (Many Voices, OneWorld") रिपोर्ट
2. ग्लोबल एजुकेशन मॉनीटरिंग रिपोर्ट
3. यूनेस्को विज्ञान रिपोर्ट

हाल ही में, शामिल भारत के विश्व धरोहर स्थल :

39	धोलावीरा: एक हड़प्पा शहर	गुजरात
40	काकतीय रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर	तेलंगाना
41	शांति निकेतन	पश्चिम बंगाल
42	होयसल के पवित्र मंदिर समूह	कर्नाटक

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा

चर्चा में क्यों?

- 8 से 9 अक्टूबर, 2025 तक भारतीय प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर भारत की राजकीय यात्रा पर आए।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- यह प्रधानमंत्री स्टारमर की भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है।
- यह यात्रा 23 और 24 जुलाई, 2025 को भारत के प्रधानमंत्री की ब्रिटेन यात्रा के बाद हो रही है, जिस दौरान दोनों पक्षों ने ऐतिहासिक भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (CETA) पर हस्ताक्षर किए और भारत-ब्रिटेन विजन, 2035 और एक डिफेंस इंडस्ट्रियल रोडमैप अपनाया।

परिणामों की सूची :

क्र. सं.	शीर्षक
I.	**प्रौद्योगिकी और नवाचार**
1.	भारत-यूके कनेक्टिविटी और नवाचार केंद्र की स्थापना।
2.	AI के लिए भारत-यूके संयुक्त केंद्र की स्थापना।
3.	यूके-भारत महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला वेधशाला के द्वितीय चरण का शुभारंभ तथा IIT-ISM धनबाद में एक नए उपग्रह परिसर की स्थापना।
4.	लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने और हरित प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए क्रिटिकल मिनरल्स इंडस्ट्री गिल्ड की स्थापना।
II.	**शिक्षा**
5.	बेंगलुरु में लैंकेस्टर विश्वविद्यालय का परिसर खोलने के लिए आशय पत्र सौंपे।
6.	गिफ्ट सिटी में सरे विश्वविद्यालय का परिसर खोलने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी।
III.	**व्यापार और निवेश**
7.	पुनर्गठित भारत-यूके सीईओ फोरम की उद्घाटन बैठक।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

8.	भारत-यूके संयुक्त आर्थिक व्यापार समिति (JETCO) का पुनर्गठन, जो सीईटीए के कार्यान्वयन में सहायता करेगा तथा दोनों देशों में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा।
9.	जलवायु प्रौद्योगिकी स्टार्टअप फंड में एक नया संयुक्त निवेश, जो जलवायु प्रौद्योगिकी और एआई जैसे क्षेत्रों में नवोन्मेषी उद्यमियों को समर्थन देने के लिए यूके सरकार और भारतीय स्टेट बैंक के बीच समझौता ज्ञापन के तहत एक रणनीतिक पहल है।
IV.	**जलवायु, स्वास्थ्य और अनुसंधान**
10.	जैव-चिकित्सा अनुसंधान कैरियर कार्यक्रम के तीसरे चरण का शुभारंभ।
11.	अपतटीय पवन कार्यबल की स्थापना।
12.	स्वास्थ्य अनुसंधान पर ICMR और NIHR, यूनाइटेड किंगडम के बीच आशय पत्र (LOI)।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

इंडिया–यूके विजन, 2035

- जुलाई, 2025 में भारत और यूनाइटेड किंगडम ने अपनाया। इसका उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करना और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करना है।

मुख्य स्तंभ:

- **व्यापार और अर्थव्यवस्था :** व्यापार, निवेश और पूंजी बाजार के संबंधों को बढ़ाना। इसमें CETA (व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता) शामिल है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार $100 बिलियन से अधिक तक पहुँचाना है।
- **रक्षा और सुरक्षा :** 10-वर्षीय रक्षा औद्योगिक रोडमैप, जिसमें जेट इंजन, पनडुब्बी प्रणालियों और निर्देशित-ऊर्जा हथियारों जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों में सह-विकास और सह-उत्पादन शामिल है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **प्रौद्योगिकी और नवाचार :** AI, क्वांटम कंप्यूटिंग और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना।
- **शिक्षा और कौशल :** विश्वविद्यालयों के बीच अंतरराष्ट्रीय सहयोग और कौशल विकास को प्रोत्साहित करना।
- **जलवायु और ऊर्जा :** जलवायु परिवर्तन से निपटना और स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण को तेज करना, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा, जलवायु लचीलापन और हरित वित्त शामिल हैं।
- **लोगों से लोगों के संबंध :** सांस्कृतिक आदान-प्रदान, शैक्षिक सहयोग और डायस्पोरा समुदायों के बीच जुड़ाव को मजबूत करना।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता (FTA): जुलाई, 2025

मुख्य बिंदु:

- वस्तुओं और सेवाओं पर शुल्क में कमी।
- व्यापारियों को व्यापक बाजार पहुंच प्रदान करना।

प्रमुख लाभ:

1. भारत के 99 प्रतिशत निर्यात पर टैरिफ समाप्त, जो कुल व्यापार मूल्य के लगभग 100 प्रतिशत हिस्से को कवर करता है।
2. व्यापार, निवेश और औद्योगिक सहयोग को नई दिशा।
3. FTA से भारत के मजदूरी-केंद्रित क्षेत्रों और ब्रिटेन के ऑटोमोबाइल एवं पेय उद्योग को लाभ।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण योजनाएँ

एग्रीएनिक्स प्रोग्राम

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने एग्रीएनिक्स प्रोग्राम के तहत प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की घोषणा की है।

Ministry of Electronics and Information Technology
Government of India
सत्यमेव जयते

मुख्य बिन्दु:

एग्रीएनिक्स प्रोग्राम:

- यह MeitY का एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। यह कृषि और पर्यावरण के क्षेत्र में प्रौद्योगिकियों संबंधी अनुसंधान और विकास तथा लागू करने, प्रदर्शन करने और उसके व्यावसायिक उपयोग से संबंधित है।
- सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (C-DAC), कोलकाता नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आर्थिक परिदृश्य

इलेक्ट्रॉनिक बैंक गारंटी (e-BGs)

चर्चा में क्यों?

- नेशनल ई-गवर्नेंस डिवीजन और नेशनल ई-गवर्नेंस सर्विसेज लिमिटेड (NeSL) ने e-बैंक गारंटी के लिए डिजिटल डॉक्यूमेंट प्रक्रिया को एकीकृत करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

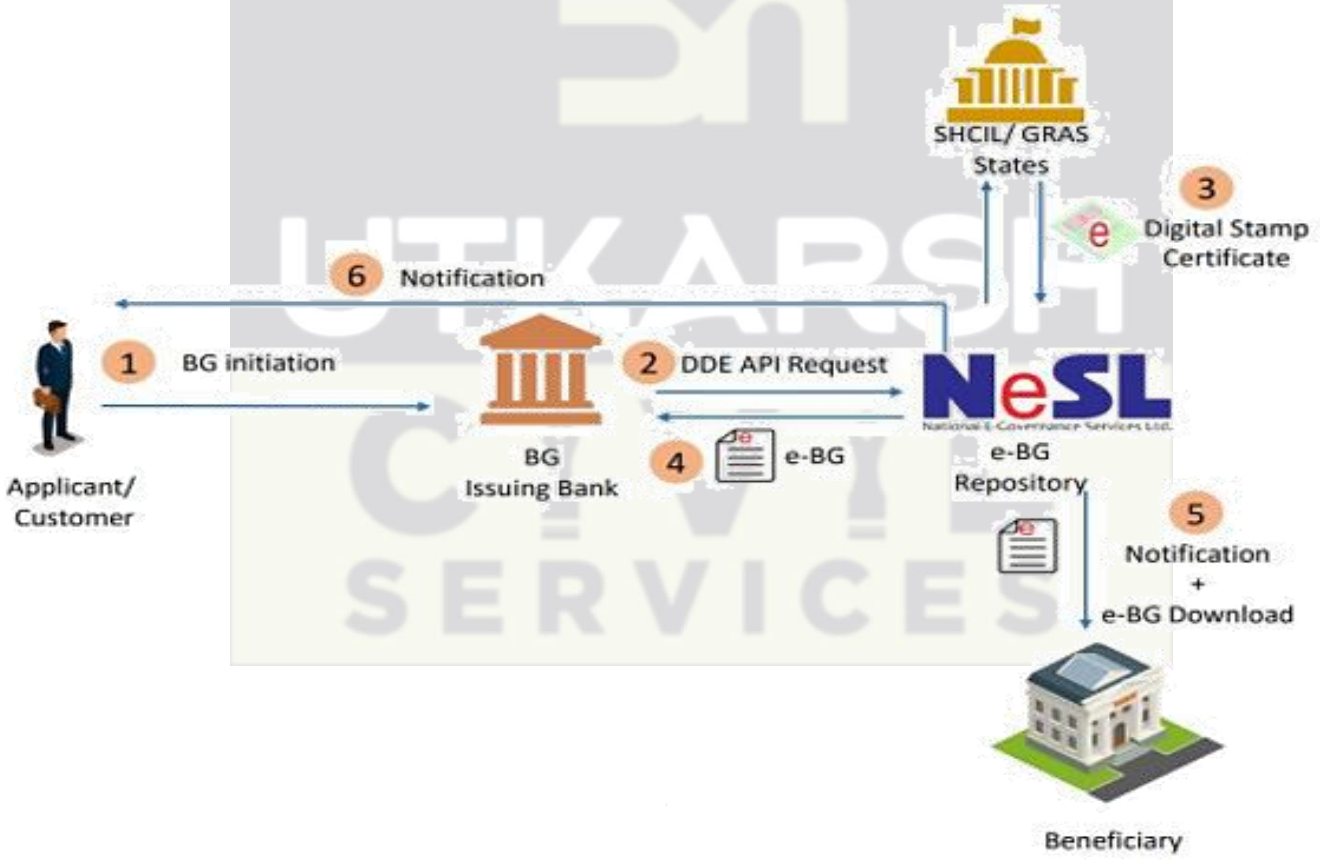

मुख्य बिन्दु:

- नेशनल ई-गवर्नेंस सर्विसेज लिमिटेड (NeSL) भारत की पहली इनफार्मेशन यूटिलिटी है। यह इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी बोर्ड ऑफ़ इंडिया (IBBI) के यहां पंजीकृत है। NeSL ऋणों और क्लेम के कानूनी साक्ष्य के रूप में काम करती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

इलेक्ट्रॉनिक बैंक गारंटी (e-BGs):

- इसने कागजी दस्तावेज के रूप में बैंक गारंटी जारी करने की पारंपरिक प्रक्रिया की जगह ली है।
- यह बैंक गारंटी जारी करने और लाभार्थियों तक उसे पहुंचाने के समय को कम कर देती है।
- बैंक गारंटी वास्तव में एक वित्तीय साधन है। इसमें एक बैंक थर्ड पार्टी (लाभार्थी) को यह वादा करता है कि यदि उनके ग्राहक (आवेदक) किसी अनुबंध के दायित्व को पूरा करने में विफल रहते हैं, तो बैंक लाभार्थी को भुगतान करेगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

ग्लोबल इलेक्ट्रिसिटी मिड-ईयर इनसाइट्स 2025

चर्चा में क्यों?

- एनर्जी थिंक टैंक एम्बर की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में कोयले को पीछे छोड़ते हुए नवीकरणीय ऊर्जा विश्व में सबसे बड़ा बिजली स्रोत बन गई।

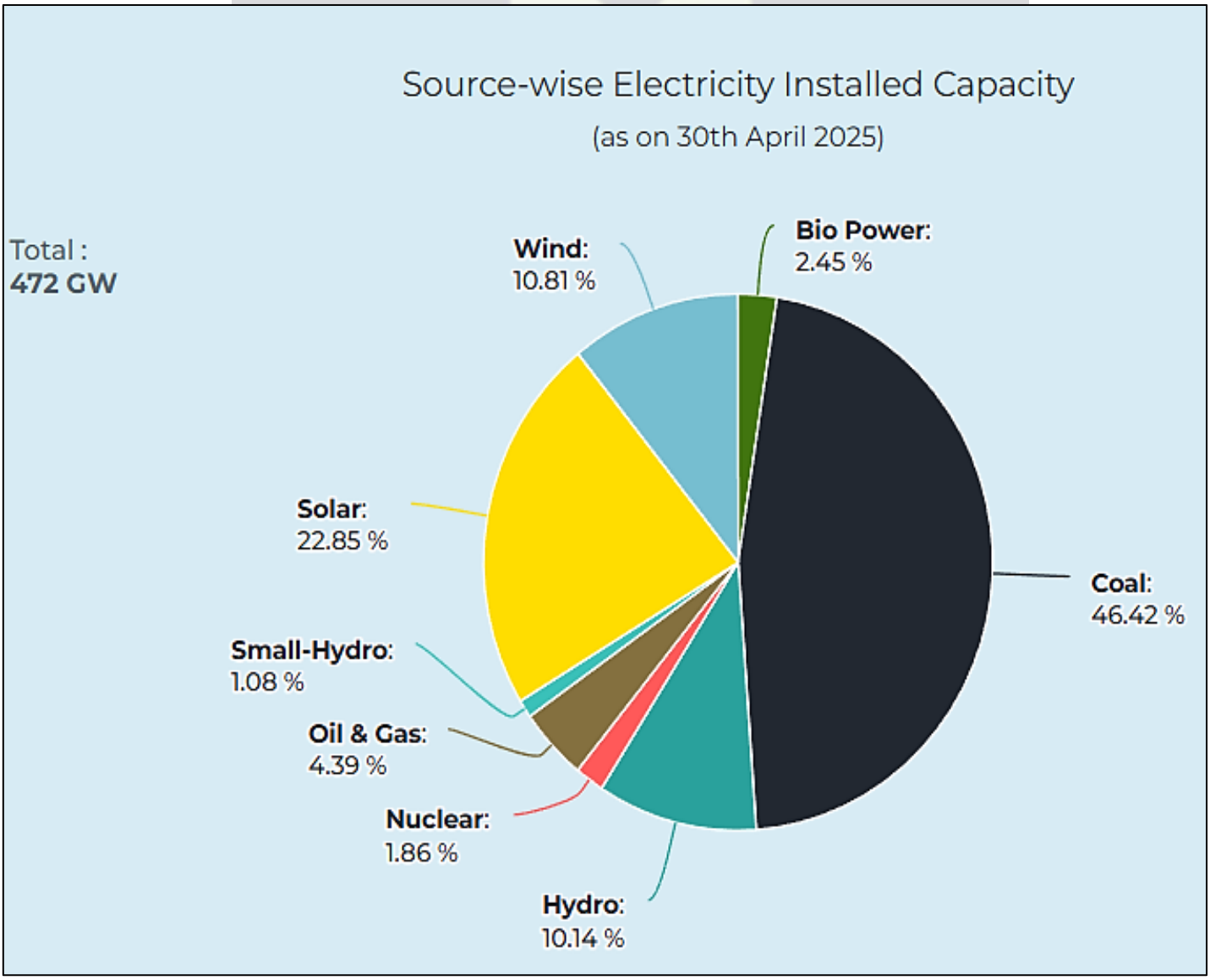

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- **बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में जीवाश्म ईंधन उत्पादन:** चीन और भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में जीवाश्म ईंधन से बिजली का उत्पादन घटा है। ऐसा इसलिए क्योंकि वहाँ स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की वृद्धि, बिजली की मांग में वृद्धि से अधिक है।
- **उत्सर्जन:** विश्व में बिजली की मांग में 2.6% की वृद्धि के बावजूद उत्सर्जन कम हुआ है।
- चीन में लगभग 46 मिलियन टन CO2 और भारत में लगभग 24 मिलियन टन CO2 उत्सर्जन कम हुआ है। वहीं यूरोपीय संघ (EU) और अमेरिका (US) में उत्सर्जन बढ़ा है।
- **स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की वृद्धि:** सौर ऊर्जा (+25%) और पवन ऊर्जा (+29%) में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। इससे कुल बिजली स्रोत में स्वच्छ ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ी है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पुरस्कार

रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों?

- रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने 2025 के रसायन-विज्ञान के नोबेल पुरस्कार के विजेताओं की घोषणा की।

मुख्य बिन्दु:

- रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार 2025 सुसुमु कितागावा, रिचर्ड रॉबसन और उमर यागी को प्रथम मेटल ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स (MOF) के विकास में उनकी भूमिका के लिए प्रदान किया गया है।
- इन वैज्ञानिकों के शोध-कार्य से हजारों अलग-अलग मेटल ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स का विकास संभव हुआ है ।

मेटल ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स (MOF)

- यह आणविक संरचना का एक रूप है, जो छोटी संरचनाओं में विशाल स्थान को समाहित करती है। ये लघु संरचनाएं छोटी सी जगह में विशाल गैसों का भंडारण करती हैं।
- एक ग्राम MOF पदार्थ में इतने अधिक छिद्र हो सकते हैं, जिनका आंतरिक पृष्ठीय क्षेत्र (सरफेस एरिया) एक फुटबॉल के मैदान के बराबर हो सकता है।
- ये छिद्र छोटे आणविक कक्षों की तरह कार्य करते हैं जो गैसों, आयनों और अन्य अणुओं को ट्रैप, पृथक, रूपांतरित या उनका परिवहन कर सकते हैं।
- इस तरह से, मेटल ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स आणविक होटलों की तरह होते हैं, जिनके अनगिनत दरवाजे होते हैं, जो केवल कुछ विशेष पदार्थों को ही स्वीकार या प्रवेश देने के लिए प्रोग्राम किए जाते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- मेटल ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स संरचना कार्बनिक अणुओं द्वारा जुड़े धातु आयनों से बनी होती है, जो बड़े, छिद्र-युक्त स्थान वाला एक त्रि-आयामी नेटवर्क या जाल बनाती है।
- MOF की सबसे खास बात इसकी सरंध्रता है। इसी वजह से इसमें गैस या द्रव्य को कैप्चर करके रखा जा सकता है।
- MOFs में उपयोग किए गए बिल्डिंग ब्लॉक्स को बदलकर, रसायन विज्ञानी इनके छिद्रों के आकार और बनावट नियंत्रित कर सकते हैं। इससे वे विशिष्ट पदार्थों को कैप्चर और स्टोर करने के लिए इन्हें डिज़ाइन कर सकते हैं।

मेटल ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स (MOF) के उपयोग:

- **जल संचयन:** रेगिस्तान जैसी जगहों पर MOF वायुमंडल से रात में जल वाष्प को अपने छिद्रों में कैप्चर कर सकते हैं और फिर इसे पेयजल में उपयोग किया जा सकता है।
- **प्रदूषकों को हटाने:** MOF परफ्लुओरोएल्काइल और पॉलीफ्लुओरोएल्काइल पदार्थ (PFAS) जैसे हानिकारक पदार्थों को फ़िल्टर कर सकते हैं, और प्रदूषित जल में कच्चे तेल और एंटीबायोटिक दवाओं के विघटन में मदद कर सकते हैं।
- **औद्योगिक उपयोग:** अपशिष्ट जल से दुर्लभ-भू तत्वों (रेयर अर्थ एलिमेंट्स) को निकालने, हाइड्रोजन भंडारण और कार्बन डाइऑक्साइड को कैप्चर करने के लिए भी इनका इस्तेमाल किया जा सकता है।
- **स्वास्थ्य देखभाल:** ये शरीर में दवाइयों को सही जगह पहुंचाने, पर्यावरण से अत्यंत विषैली गैसों को नियंत्रित करने तथा एंजाइम्स को एनकैप्सूलेटेड कर एंटीबायोटिक दवाओं के अंशों को विखंडित करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता हैं ।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

साहित्य का नोबेल पुरस्कार, 2025

चर्चा में क्यों?

- हंगेरियन उपन्यासकार और पटकथा लेखक लास्ज़लो क्रास्ज़नाहोरकाई को वर्ष 2025 का साहित्य का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

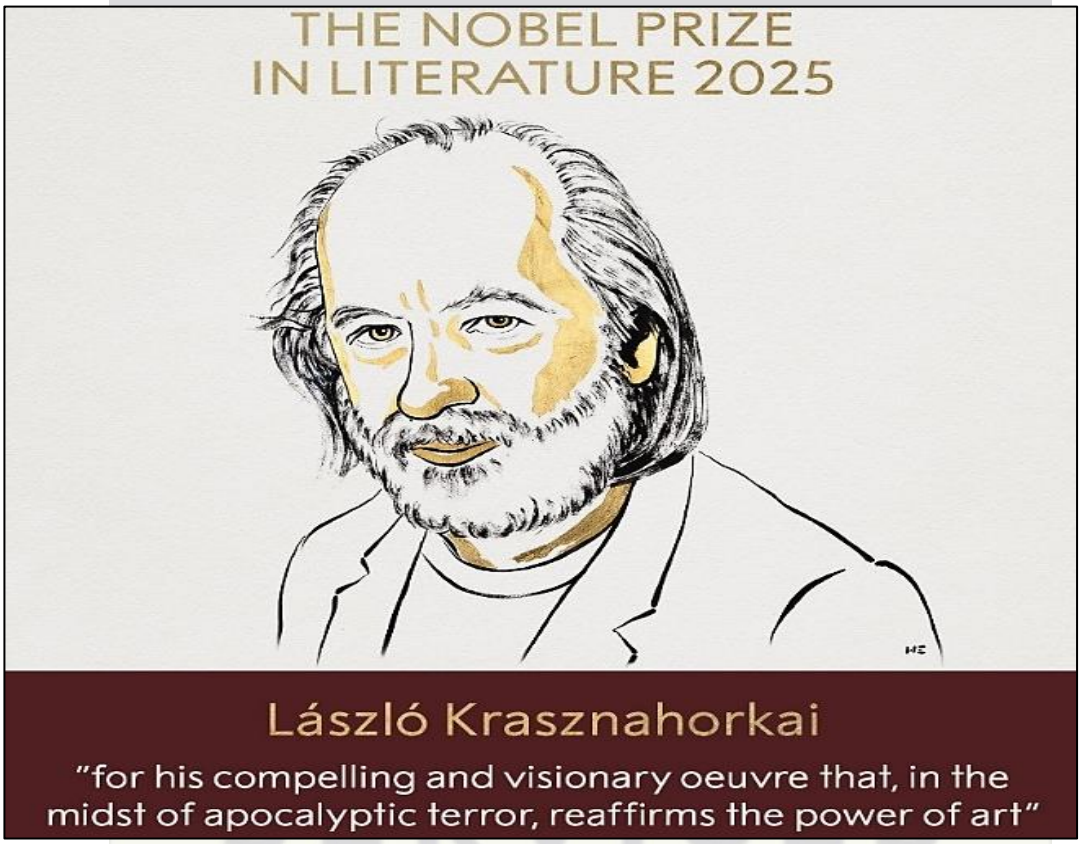

मुख्य बिन्दु:

- **घोषणा :** स्वीडन के स्टॉकहोम स्थित स्वीडिश अकादमी की नोबेल समिति द्वारा।
- **पुरस्कार राशि :** 1.2 लाख अमेरिकी डॉलर।

आधिकारिक समारोह : 10 दिसंबर, 2025

- लास्ज़लो क्रास्नाहोकोई को उनकी दूरदर्शी और प्रभावशाली रचनाओं" (For his compelling and visionary oeuvre that, in the midst of apocalyptic terror, reaffirms the power of art) के लिए प्रदान किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

उपन्यास :

- यह सम्मान उनके उपन्यास हर्श्ट 07769 के लिए दिया जा रहा है. हर्श्ट 07769 को सामाजिक अराजकता, हिंसा और आगजनी से घिरे एक छोटे से थुरिंजियन शहर के सटीक चित्रण के कारण "एक महान समकालीन जर्मन उपन्यास" कहा गया है।
- क्रास्ज़्नहोरकाई को पहली बार 1985 में अपनी पहली उपन्यास स्ट्नटांगो (सतन्तांगो) से अंतरराष्ट्रीय ख्याति मिली।
- एक सीक्रेट गार्डेन की खोज पर आधारित, उनका वर्ष 2003 का उपन्यास 'एज़्ज़क्रोल हेगी, डेलोल टो, न्युगाट्रोल उताक, केलेट्रोल फोल्यो' (उत्तर में एक पर्वत, दक्षिण में एक झील, पश्चिम में रास्ते, पूर्व में एक नदी') शक्तिशाली काव्यात्मक अंशों वाली एक रहस्यमयी कहानी है जो क्योटो के दक्षिण-पूर्व में घटित होती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR